पक्षी खाते हैं
और खाते हैं और खाते हैं

रोमा गन्स

चित्र : एड एम्बरले

हिंदी: स्वप्नाजी

पक्षी खाते हैं
और खाते हैं और खाते हैं

रोमा गन्स

चित्र : एड एम्बरले

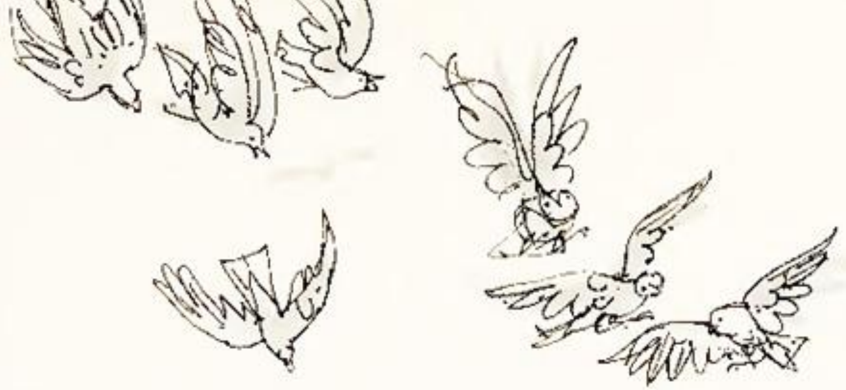

पक्षी खाते हैं और खाते हैं और खाते हैं

पक्षी खाते हैं और खाते हैं और खाते हैं.

ऐसा लगता है कि वे पूरे दिन खाते ही रहते हैं.

आप कितनी बार खाते हैं?

दिन में तीन बार?

या चार बार?

या फिर पाँच बार?

लेकिन पक्षी दिन में दस, बीस और यहाँ तक कि पचास बार खाते हैं.

दिन में एक पक्षी सैकड़ों मक्खियाँ और मच्छर, कीड़े, कैटरपिलर और कीट खा सकता है.

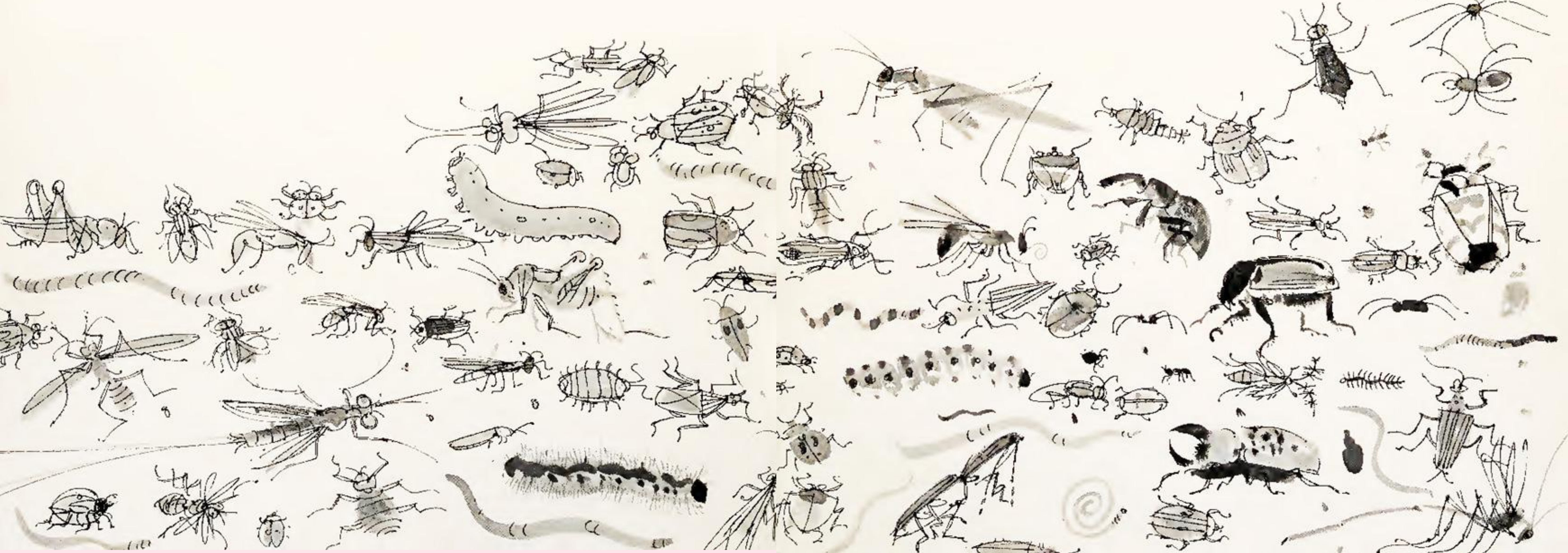

वो सैकड़ों बीज और बेर भी खा सकता है.

पक्षियों को देखें कि वे कैसे खाते हैं.

नीलकंठ, गौरैए और कुछ पक्षी ज़मीन पर गिरे बीज खाते हैं.

फॉक्स स्पैरो और च्यूविंक ज़मीन को खरोंचती और खोदती हैं,

रॉबिन ज़मीन से कीड़े निकालती हैं.

एक गोल्डफिंच सूरजमुखी के ऊपर बैठकर उसके बीज खाती है.

चिकडी झाड़ी की शाखा पर बैठती है और उसके बीज खाती है.

खाते समय वो शाखा पर झूलती हैं.

कौवे भी बीज खाते हैं.

वे मकई के खेत में चलते हैं

और उन पौधों को उखाड़ते हैं जो अभी नए-नए उगे हैं.

वे पौधों के नीचे के बीज खाते हैं.

अबाबील और फियोबी उड़ते समय हवा में अपना भोजन पकड़ती हैं.

वे झपट्टा मारती हैं और मच्छरों और कीटों को पकड़ने के लिए गोता लगाती हैं.

जब फियोबी किसी कीट को पकड़ती है

तो आप पक्षी की चोंच से क्लिक आवाज़ को सुन सकते हैं.

कठफोड़वे पेड़ों से भोजन प्राप्त करते हैं.

क्या आपने कभी कठफोड़वे को पेड़ के तने पर

ऊपर-नीचे और उसके चारों ओर घूमते हुए देखा है?

कभी-कभी वो अपनी चोंच से पेड़ को ठोकने के लिए रुकता है.

वो छाल के नीचे कीड़े-मकौड़े खोजने के लिए पेड़ में छेद करता है.

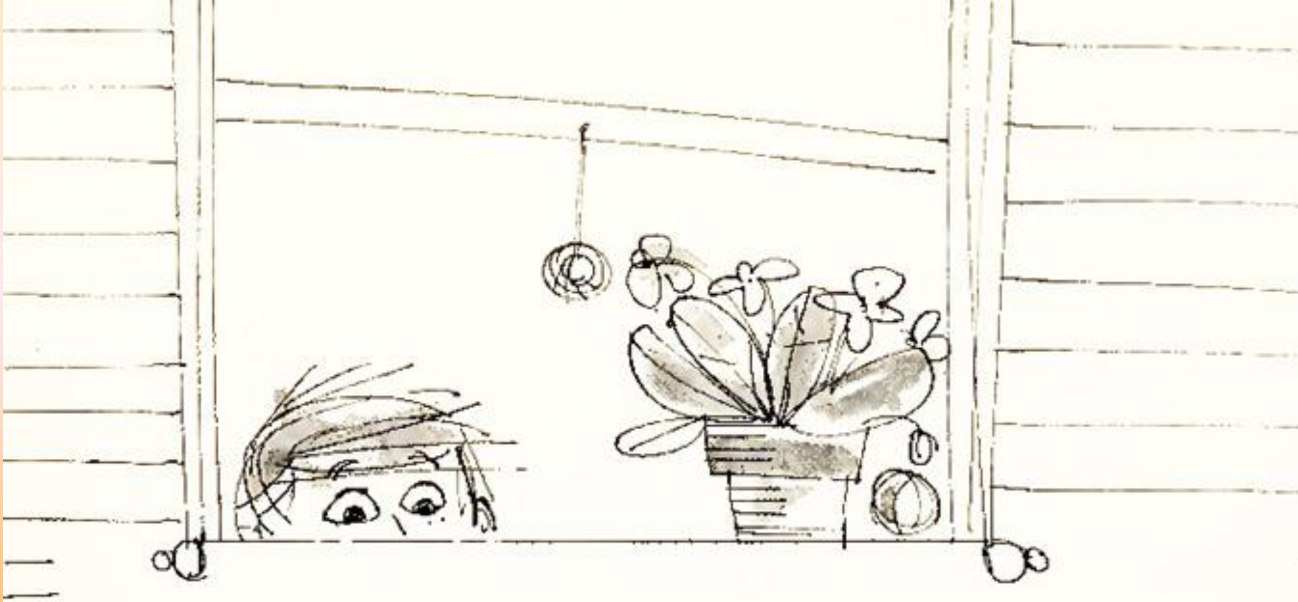

पक्षी खाते हैं और खाते हैं और खाते हैं.

आप देख सकते हैं कि वे कितना खाते हैं.

अपने घर के पास ज़मीन पर कुछ डबलरोटी के टुकड़े रखें.

गौरैए, नीलकंठ और स्टारलिंग जल्द ही उन्हें ढूँढ निकालेंगी.

देखें कि वे कितनी जल्दी उन्हें खाते हैं.

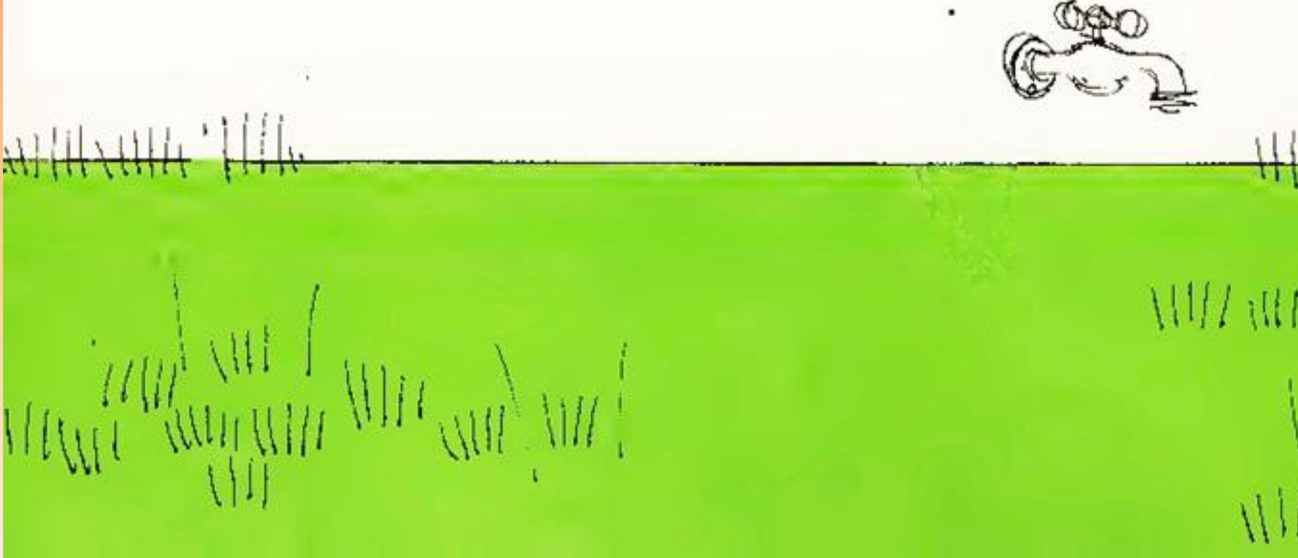

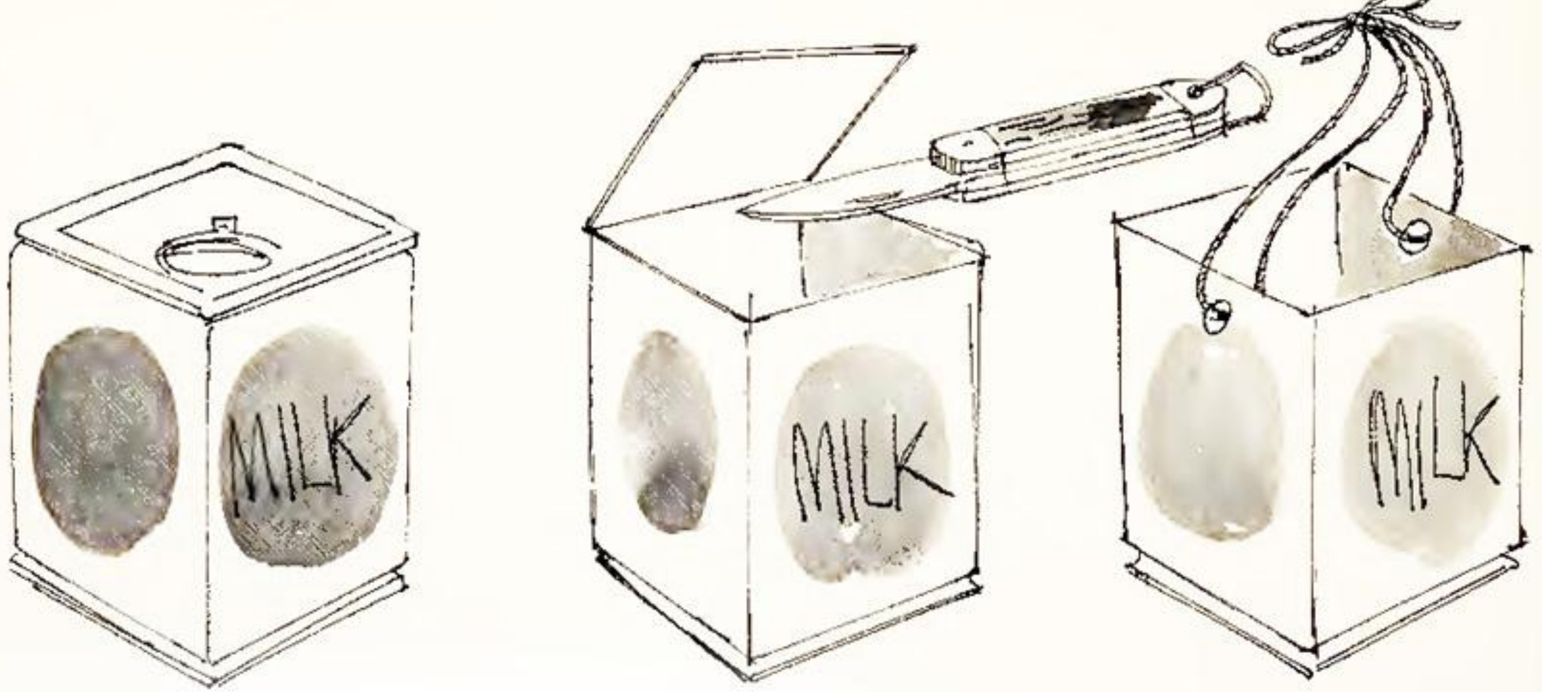

पक्षी खाते हैं और खाते हैं और खाते हैं.

आप देख सकते हैं कि वे कितना खाते हैं.

एक खाली दूध के डिब्बे से फीडर बनाएँ.

उसका कवर काट दें.

डिब्बा फीडर होगा.

ऊपर के पास विपरीत दिशाओं में छेद करें.

हैंडल बनाने के लिए छेदों में डोरी पिरोएं.

फीडर को झाड़ी या किसी निचली शाखा से लटकाएँ.

उसे बीजों से भरें.

आप किराने की दुकान से चिड़ियों के खाने के बीज खरीद सकते हैं.

एक बार जब पक्षियों को फीडर मिल गया

तो वे तब तक खाते रहेंगे जब तक कि वो खाली नहीं हो जाता.

वहां चिकेडीज़ और गोल्डफ़िंच, ब्लैकबर्ड और नटहैच आएंगी.

क्योंकि वे बीज खाने वाले पक्षी हैं.

जब फीडर खाली हो जाए तो आप उसे फिर से भरें.

देखें कि पक्षी उसे कितनी जल्दी खाली कर देते हैं.

पक्षी अलग-अलग तरीकों से खाते हैं.

चिकेडीज़, बीज वाली शाखा पर आएगी.

वो अपने पैरों से बीज को शाखा पर टिकाए रखेगी.

फिर बीज का खोल, खोलने के लिए चोंच मारेगी.

वो गिरी खाएगी, फिर दूसरा बीज लेने के लिए फीडर की ओर उड़ेगी.

नटहैच एक सूरजमुखी के बीज को, पेड़ की छाल के एक छोटे छेद में डालेगी.

फिर वो बीज को खोलने के लिए चोंच मारेगी.

वो अंदर की गिरी खाने के बाद दूसरा बीज लेने के लिए उड़ेगी.

पक्षी खाते हैं और खाते हैं और खाते हैं.

आप देख सकते हैं कि वे कितना खाते हैं.

एक दूसरा फीडर बनाएं.

मीट मार्केट से कुछ चर्बी खरीदकर लाएं.

चर्बी को पेड़ की शाखा से बांध दें.

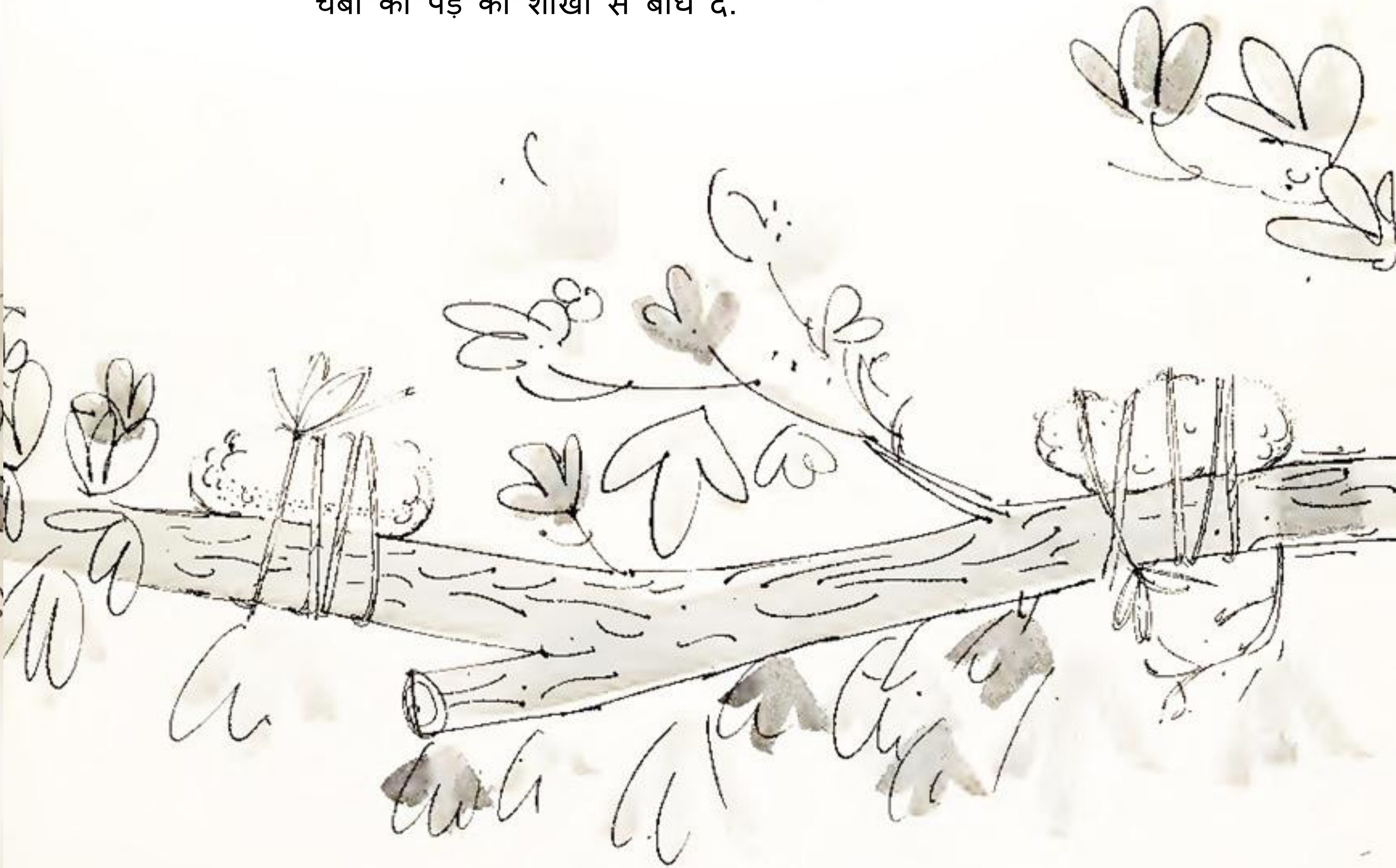

बड़े और छोटे कठफोड़वे उसके पास आएंगे.

वे खाएंगे और खाएंगे और खाएंगे.

नटहैच, चिकडी, ब्लूजे भी चर्बी खाएंगी.

देखें कि आपके फीडर से कितने पक्षी खाते हैं.

वे हर दिन आपके फीडर पर आएंगे.

एक बार जब पक्षी आने लगेंगे

तो फिर आपको फीडर बार-बार भरना पड़ेगा.

आप दिन में तीन या चार बार खाते हैं.

पक्षी दिन में दस, तीस और यहाँ तक कि पचास बार खाते हैं.

वे मक्खियाँ और मच्छर, कीड़े और कैटरपिलर,

कीड़े और चर्बी, बीज और बेर खाते हैं.

पक्षी खाते हैं और खाते हैं और खाते हैं.

ऐसा लगता है कि वे पूरे दिन खाते ही रहते हैं.